ओम शान्ति 27-04-14 मधुबन

# रविवार के दिन ब्राह्मण परिवार के दादी जानकी जी के उद्‌गार

ओम शान्ति, ओम शान्ति, ओम शान्ति। आप सब बड़ा प्यार से जो याद कर रहे हैं क्यों, क्योंकि हास्पिटल से मैं बाबा को याद करती हूँ ना तभी तो आप याद करते हो, और आप सब प्यार से सम्पन्न की धुन में लगे हुए हो। आज की मुरली वण्डरफुल है, बाबा यही चाहता है बच्चे में कोई कमी न रहे, पूरे स्नेही सहयोगी योगी हो। सदा सहयोगी हो, ऑनेस्ट हो, आज्ञाकारी हो, वफादार हो, इमानदार हो। ऐसे बच्चे बाबा को प्यारे लगते हैं।

यह हास्पिटल की एक सप्ताह की यात्रा, सोमवार को आई थी कल शायद सोमवार को छुट्टी मिल रही है। यह भी एक वण्डरफुल यात्रा है, बॉम्बे में शुरु से बाबा ने सेवा कराई है। बाबा भी बॉम्बे में हास्पिटल में रहा था, उसके बाद अनेक आत्मायें उसके बाद पैदा हुई, अभी बाबा के बॉम्बे में कितने पैदा हुए हैं उन सबको अनुभव करने के लिए, बाबा ने जो दिया है वो शेयर करने के लिए इन्सपायर करने के लिए बाबा ने यहाँ हास्पिटल में भेजा है, ड्रामा है। ड्रामा बहुत मीठा कल्याणकारी है, बाबा तो कहता है बच्ची तुम जानती हो हर आत्मा का पार्ट अपना-अपना है, तुम्हारा पार्ट अपना है। आदि से लेकर बाबा की, ब्रह्मा बाबा का शिव बाबा के साथ सम्बन्ध होते ही वो सारी कहानी हमको पता है तो वो सारी कहानी का सारा हाल, जो खबरे हैं भोलेनाथ शिव बाबा की, भोलानाथ भण्डारी है, शिव बाबा का भण्डारा भरपूर करने वाला फिर ब्रह्मा बाबा। सारे यज्ञ से सबका प्यार है ना। कहने का अर्थ है कई बाते अच्छी-अच्छी है, इसलिए आप मेरे शरीर का ख्याल नहीं करो, जो आप ख्याल करते हो! प्रेयर नहीं करो, प्यार में बाप समान बनने की धुन मचाओ। बाबा ने कहा सिर्फ माला में नहीं आओ, विजय माला में आ जाओ ना। वैजयन्ती माला में आना माना बाबा के नूरे रत्न बन जाना।

बहुतों ने, नाम कितने के बताऊं, हरेक ने यादप्यार बहुत ढेर-ढेर भेजे हैं। सबको यादप्यार प्यार स्वीकार हो, ओम शान्ति, ओम शान्ति, ओम शान्ति।